1

हम जब होंगे बड़े

(कविता)

प्रतिध्वनि

" दुनिया में वही देश सबसे ज्यादा मजबूत होता है जिसके नागरिक अपने देश से सबसे ज्यादा प्यार करते हैं।

हम जब होंगे बड़े, देखना
ऐसा नहीं रहेगा देश।
अब भी कुछ लोगों के दिल में
नफ़रत अधिक, प्यार है कम,
हम जब होंगे बड़े, घृणा का
नाम मिटा कर लेंगे दम।

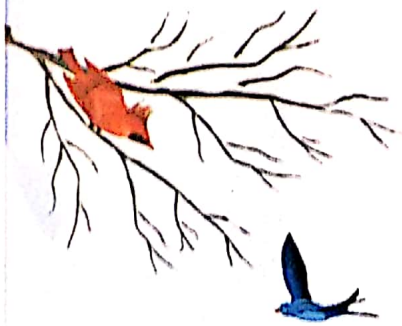

हिंसा के विषमय प्रवाह में
कब तक और बहेगा देश ?
भ्रष्टाचार जमाखोरी की,
आदत बड़ी पुरानी है;
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो
नई चेतना लानी है।
एक घरौंदे जैसा आखिर
कितना और ढहेगा देश ?

इसकी बागडोर हाथों में
जरा हमारे आने दो,
थोड़ा-सा बस, पाँव हमारा
जीवन में टिक जाने दो।
हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा
कोई नहीं सहेगा देश।
हम भारत का झंडा हिमगिरि
से ऊँचा फहरा देंगे,
रेगिस्तान, बंजरों तक में
हरियाली लहरा देंगे।

घोर अभावों की ज्वाला में
कल नहीं दहकेगा देश।

-बालस्वरूप राही

Scanned with CamScanner

जीवन मूल्य : हमें देश विरोधी ताकतों तथा कुरीतियों को मिटाकर अपने राष्ट्र को प्रगति पर ले जाने का संकल्प करना चाहिए।

शब्दार्थ

विषमय	–	जहरीला	प्रवाह	–	तेज़ धारा
कुरीतियाँ	–	बुरी रीतियाँ	घरौंदे	–	छोटे-छोटे घर
बागडोर	–	लगाम	पाँव	–	पैर
दुर्दशा	–	अधोगति	ज्वाला	–	आग

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**
   (क) बच्चे बड़े होकर क्या करेंगे?
   (ख) बच्चों को किस बात का इंतज़ार है?
   (ग) बच्चे किस बात की शपथ खा रहे हैं?
   (घ) बच्चे क्या आश्वासन दे रहे हैं?

2. **सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–**
   (क) जब हम होंगे बड़े, देखना ऐसा नहीं रहेगा। ....
   (ख) जब हम होंगे बड़े, ... का नाम मिटाकर लेंगे हम।
   (ग) हम भारत का झंडा .... से ऊँचा फहरा देंगे।
   (घ) घोर .... की ज्वाला में कल नहीं दहकेगा देश।

3. **सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–** [(Multiple Choice Questions (MCQs)]
   (क) कौन-सी आदत पुरानी है?
   (i) कुरीतियों की ◯ (ii) भ्रष्टाचार जमाखोरी की ◯ (iii) हिंसा की ◯
   (ख) अब भी कुछ लोगों के दिल में कम क्या है?
   (i) नफ़रत ◯ (ii) घृणा ◯ (iii) प्यार ◯
   (ग) हम रेगिस्तान, बंजरों तक में क्या लहरा देंगे?
   (i) झंडा ◯ (ii) हरियाली ◯ (iii) हवा ◯

Scanned with CamScanner

2

जब हवा चलती है.....

(शिक्षाप्रद कहानी)

प्रतिध्वनि

"तैयारी में विफल होने का मतलब है, विफल होने की तैयारी करना" – बेंजामिन फ्रैंकलिन

बहुत समय पहले की बात है, कर्नाटक के उत्तरी छोर पर एक किसान रहता था। उसे अपने खेत में काम करने वालों की बड़ी जरूरत रहती थी, लेकिन ऐसी खतरनाक जगह, जहाँ आए दिन आँधी- तूफान आते रहते हों, कोई काम करने को तैयार नहीं होता था।

किसान ने एक दिन शहर के अखबार में इश्तहार दिया कि उसे खेत में काम करने वाले एक मज़दूर की जरूरत है। किसान से मिलने कई लोग आए लेकिन जो भी उस जगह के बारे में सुनता, वो काम करने से मना कर देता। अंतत: एक सामान्य कद का पतला-दुबला अधेड़ व्यक्ति किसान के पास पहुँचा।

किसान ने उससे पूछा, "क्या तुम इन परिस्थितियों में काम कर सकते हो?"

"हाँ, बस जब हवा चलती है तब मैं सोता हूँ," व्यक्ति ने उत्तर दिया।

किसान को उसका उत्तर थोड़ा अजीब लगा लेकिन उसे कोई और काम करने वाला नहीं मिल रहा था इसलिए उसने व्यक्ति को काम पर रख लिया।

मजदूर मेहनती निकला। वह सुबह से शाम तक खेतों में मेहनत करता। किसान भी उससे काफी संतुष्ट था। कुछ ही दिन बीते थे कि एक रात अचानक ही जोर-जोर से हवा बहने लगी। किसान अपने अनुभव से समझ गया कि अब तूफान आने वाला है। वह तेजी से उठा, हाथ में लालटेन ली और मजदूर के झोंपड़े की तरफ दौड़ा।

"जल्दी उठो, देखते नहीं तूफ़ान आने वाला है। इससे पहले कि सब कुछ तबाह हो जाए, कटी फसलों को बाँधकर ढक दो और बाड़े के गेट को भी रस्सियों से बाँध दो" किसान चीखा।

मजदूर बड़े आराम से पलटा और बोला, "नहीं जनाब! मैंने आपसे पहले ही कहा था कि जब हवा चलती है तो मैं सोता हूँ।"

Scanned with CamScanner

यह सुन किसान का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। उसके जी में आया कि उस मज़दूर को गोली मार दे, पर अभी वो आने वाले तूफान से चीजों को बचाने के लिए भागा।

किसान खेत में पहुँचा तो उसकी आँखें आश्चर्य से खुली रह गईं। फसल की गाँठें अच्छे-से बँधी हुई थीं और तिरपाल से ढकी भी थीं। उसके गाय-बैल सुरक्षित बँधे हुए थे और मुर्गियाँ भी अपने दड़बों में थीं। बाड़े का दरवाज़ा भी मजबूती से बँधा हुआ था। सारी चीज़ें बिल्कुल व्यवस्थित थीं। नुकसान होने की कोई संभावना नहीं बची थी। किसान अब मजदूर की ये बात कि "जब हवा चलती है तब मैं सोता हूँ" समझ चुका था, और अब वो भी चैन से सो सकता था।

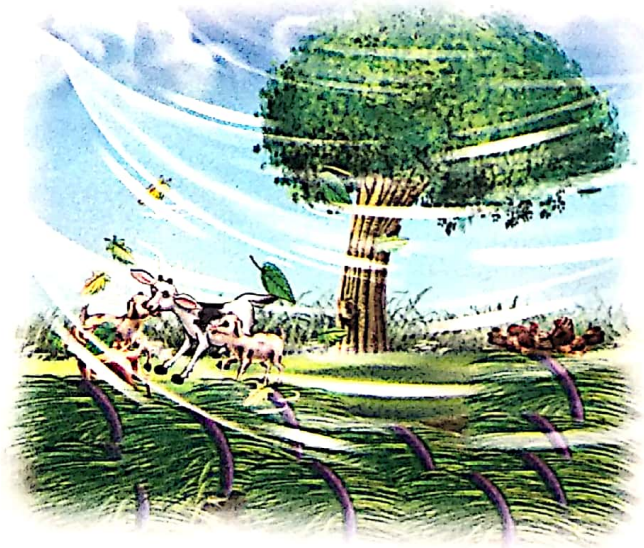

मित्रो, हमारी ज़िंदगी में भी कुछ ऐसे तूफान आने तय हैं, जरूरत इस बात की है कि हम उस मज़दूर की तरह पहले से तैयारी करके रखें ताकि मुसीबत आने पर हम भी चैन से सो सकें। जैसे कि यदि कोई विद्यार्थी शुरू से पढ़ाई करे तो परीक्षा के समय वह आराम से रह सकता है। हर महीने बचत करने वाला व्यक्ति पैसे की आवश्यकता पड़ने पर निश्चिंत रह सकता है, इत्यादि।

तो चलिए हम भी कुछ ऐसा करें कि कह सकें- "जब हवा चलती है तो मैं सोता हूँ।"

जीवन मूल्य : हमें अपना काम समय पर करना चाहिए और बुरे समय से निपटने के लिए पहले से तैयार रहना चाहिए।

शब्दार्थ

अधेड़	–	मध्य आयु का व्यक्ति	तबाह	–	बरबाद/नष्ट
व्यवस्थित	–	जिसमें किसी प्रकार की व्यवस्था हो	निश्चिंत	–	चिंतारहित
संभावना	–	किसी कार्य के हो सकने की उम्मीद	निपटना	–	हल ढूँढ़ना
अंततः	–	अंत में	इश्तहार	–	विज्ञापन

Scanned with CamScanner

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लेखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) किसान ने अखबार में इश्तहार क्यों दिया?

(ख) कोई भी मज़दूर किसान के खेत पर काम क्यों नहीं करना चाहता था?

(ग) किसान की आँखें आश्चर्य से खुली क्यों रह गईं?

(घ) "जब हवा चलती है तो मैं सोता हूँ।" का आशय क्या है?

(ङ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

(क) ..... के उत्तरी छोर पर एक ..... रहता था।

(ख) जब हवा चलती है तब मैं ..... हूँ।

(ग) किसान अपने ..... से समझ गया कि अब तूफान आने वाला है।

(घ) सारी चीज़ें बिल्कुल ..... थीं।

सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए- [Multiple Choice Questions (MCQs)]

(क) एक सामान्य कद का पतला-दुबला ..... व्यक्ति किसान के पास पहुँचा।

(i) अधेड़ ○ (ii) जवान ○ (iii) वृद्ध ○

(ख) मज़दूर सुबह से ..... तक खेतों में मेहनत करता।

(i) दोपहर ○ (ii) शाम ○ (iii) रात ○

(ग) किसान ने हाथ में ..... ली और मज़दूर के झोंपड़े की तरफ दौड़ा।

(i) लकड़ी ○ (ii) रस्सी ○ (iii) लालटेन ○

Scanned with CamScanner